



## भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023

### प्रलिमिंस के लिये:

[ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल](#), [भ्रष्टाचार](#), विश्व न्याय परियोजना (WJP), [अल्प वकिसति देश \(LDC\)](#)

### मेन्स के लिये:

भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023, शासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व, भ्रष्टाचार के सामान्य कारण और भारत में इसकी रोकथाम

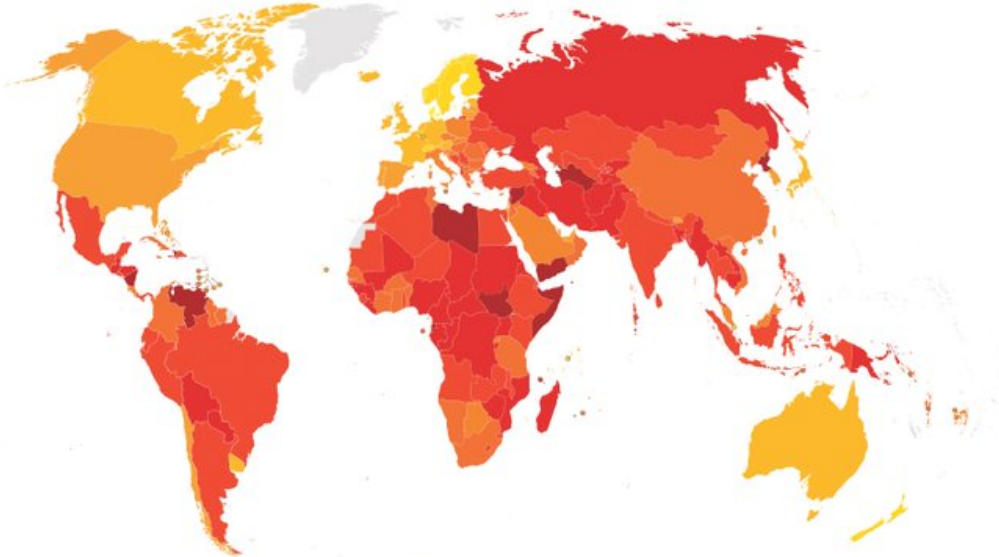
[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में [ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल](#) द्वारा **भ्रष्टाचार बोध सूचकांक (Corruption Perceptions Index- CPI), 2023** जारी किया गया है जिसके अनुसार अधिकांश देशों ने **सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार का समाधान करने में बहुत कम अथवा कोई प्रगति नहीं** की है।

- CPI विश्व भर के 180 देशों तथा क्षेत्रों को उनके सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार के अनुमानित स्तर के आधार पर **100 (अत्यधिक भ्रष्ट) से 100 (भ्रष्टाचार मुक्त)** के पैमाने पर स्कोर करता है।

# CORRUPTION PERCEPTIONS INDEX 2023



The perceived levels of public sector corruption in 180 countries/territories around the world.

**SCORE COUNTRY/TERRITORY**

90	Denmark
87	Finland
85	New Zealand
84	Norway
83	Singapore
82	Sweden
82	Switzerland
79	Netherlands
78	Germany
78	Luxembourg
77	Ireland
76	Canada
76	Estonia
75	Australia
75	Hong Kong
73	Belgium
73	Japan
73	Uruguay
72	Iceland
71	Austria
71	France
71	Seychelles
71	United Kingdom
69	Barbados
69	United States
68	Bhutan

68	United Arab Emirates
67	Taiwan
66	Chile
64	Bahamas
64	Cabo Verde
63	Korea, South
62	Israel
61	Lithuania
61	Portugal
60	Latvia
60	Saint Vincent and the Grenadines
60	Spain
60	Botswana
58	Qatar
57	Czechia
56	Dominica
56	Italy
56	Slovenia
55	Costa Rica
55	Saint Lucia
54	Poland
54	Slovakia
53	Cyprus
53	Georgia
53	Grenada
53	Rwanda

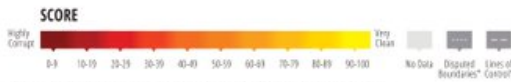
52	Fiji
52	Saudi Arabia
51	Malta
51	Mauritius
50	Croatia
50	Malaysia
49	Greece
49	Namibia
48	Vanuatu
47	Armenia
46	Jordan
46	Kuwait
46	Montenegro
46	Romania
45	Bulgaria
45	Sao Tome and Principe
44	Jamaica
43	Benin
43	Ghana
43	Oman
43	Senegal
43	Solomon Islands
43	Timor-Leste
42	Bahrain
42	China
42	Cuba
42	Hungary

42	Moldova
42	North Macedonia
42	Trinidad and Tobago
41	Burkina Faso
41	Kosovo
41	South Africa
41	Vietnam
40	Colombia
40	Côte d'Ivoire
40	Guyana
40	Suriname
40	Tanzania
40	Tunisia
39	India
39	Kazakhstan
39	Lesotho
39	Maldives
38	Morocco
37	Argentina
37	Albania
37	Belarus
37	Ethiopia
37	Gambia
37	Zambia
36	Algeria
36	Brazil
36	Serbia

36	Ukraine
35	Bosnia and Herzegovina
35	Dominican Republic
35	Egypt
35	Nepal
35	Panama
35	Sierra Leone
35	Thailand
34	Ecuador
34	Indonesia
34	Malawi
34	Philippines
34	Sri Lanka
34	Turkey
33	Angola
33	Mongolia
33	Peru
33	Uzbekistan
32	Niger
31	El Salvador
31	Kenya
31	Mexico
31	Togo
30	Djibouti
30	Eswatini
30	Mauritania

29	Bolivia
29	Pakistan
29	Papua New Guinea
28	Gabon
28	Laos
28	Mali
28	Paraguay
27	Cameroon
26	Guinea
26	Kyrgyzstan
26	Russia
26	Uganda
26	Liberia
25	Madagascar
25	Mozambique
25	Nigeria
24	Bangladesh
24	Central African Republic
24	Iran
24	Lebanon
24	Zimbabwe
23	Azerbaijan
23	Guatemala
23	Honduras
23	Iraq
22	Cambodia

22	Congo
22	Guinea-Bissau
21	Eritrea
20	Afghanistan
20	Burundi
20	Chad
20	Comoros
20	Democratic Republic of the Congo
20	Myanmar
20	Sudan
20	Tajikistan
18	Libya
18	Turkmenistan
17	Equatorial Guinea
17	Haiti
17	Korea, North
17	Nicaragua
16	Yemen
13	South Sudan
13	Syria
13	Venezuela
11	Somalia



\*The designations employed and the presentation of material on this map follow the UN practice to the best of our knowledge and as of January 2024. They do not imply the expression of any opinion on the part of Transparency International concerning the legal status of any country, territory, city or area or its authorities or concerning the designation of its borders or boundaries.

//

## ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1993 में बर्लिन (जर्मनी) में की गई थी।

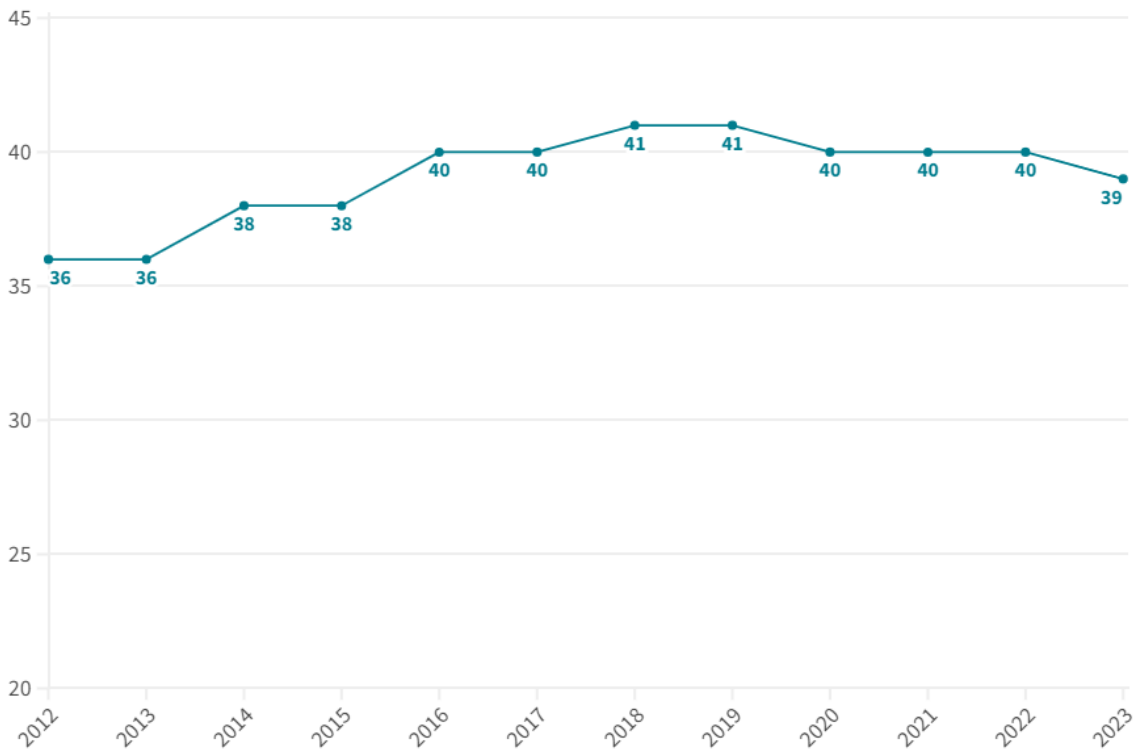
- इसका प्राथमिक उद्देश्य नागरिक सामाजिक भ्रष्टाचार-रोधी उपार्यों के माध्यम से वैश्विक भ्रष्टाचार का समाधान करना तथा भ्रष्टाचार से उत्पन्न होने वाली आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु कार्रवाई करना है।
- इसके सबसे उल्लेखनीय प्रकाशनों में **ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर** और **करप्शन परसेप्शन इंडेक्स** शामिल हैं।

## भ्रष्टाचार बोध सूचकांक (CPI) 2023 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **वश्व भर में गंभीर भ्रष्टाचार:**
  - दो-तहार्ई से अधिक देशों का स्कोर 50 से कम है जो दृढ़ता से इंगति करता है कि उनमें **भ्रष्टाचार** की गंभीर समस्याएँ मौजूद हैं।
  - वैश्विक औसत स्कोर केवल 43 पर रहा तथा अधिकांश देशों ने पछिले दशक की तुलना में कोई प्रगति नहीं की अथवा गरिवट आई।
- **CPI 2023 की वैश्विक विशेषताएँ:**
  - **शीर्ष तीन देश:** डेनमार्क 90 के स्कोर के साथ नरितर छठे वर्ष सूचकांक में शीर्ष पर है, फिनलैंड और न्यूज़ीलैंड क्रमशः 87 तथा 85 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर हैं।
    - सुव्यवस्थति रूप से संचालति न्यायकि प्रणालियों के कारण, ये देश वधिसिम्मत शासन सूचकांक (Rule of Law Index) में भी शीर्ष देशों में शामिल हैं।
  - **नमिन स्कोर प्रापतकर्ता:** सोमालिया, वेनेजुएला, सीरिया, दक्षणि सूडान और यमन अपने स्कोर क्रमशः 11, 13, 13, 13 के साथ सूचकांक में नचिले स्थान पर हैं।
    - ये सभी देश लंबे समय से संकटों, अधिकितर सशस्त्र संघर्षों से प्रभावति हैं।
  - **भारत की रैंक और स्कोर:**
    - CPI 2023 में भारत 180 देशों में से 93वें स्थान पर था।
    - वर्ष 2023 में भारत का कुल स्कोर 39 था जो वर्ष 2022 में प्रापत स्कोर 40 से कम है।
      - वर्ष 2022 में भारत 85वें स्थान पर था।

### India's Corruption Perception Index score

2012 - 2023



Source: www.transparency.org • The Hindu Graphics

- **न्याय तक पहुँच तथा भ्रष्टाचार:**
  - **रूल ऑफ लॉ इंडेक्स** के अनुसार वश्व भर में न्यायकि प्रणालियों के संचालन में गरिवट देखी जा रही है।
    - **रूल ऑफ लॉ इंडेक्स, वर्ल्ड जस्टिस प्रोजेक्ट (WJP)** द्वारा प्रकाशति कथि जाता है जो वश्व स्तर पर वधि के शासन को सुदृढ़ करने के लथि कार्य करने वाला एक स्वतंत्र संगठन है।

- यह सूचकांक वधिसिम्मत शासन के कई आयामों पर डेटा प्रदान करता है जनिहें आगे 44 संकेतकों में वभिाजति कया गया है।
- रूल ऑफ लॉ इंडेक्स में सबसे कम स्कोर वाले देश **CPI में भी बहुत कम स्कोर कर रहे हैं** जो न्याय तक पहुँच तथा भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट संबंध को उजागर करता है।
- **भ्रष्टाचार में योगदान देने वाले कारक:**
  - सत्तावादी और लोकतांत्रिक दोनों नेता न्याय को कमज़ोर कर रहे हैं। यह भ्रष्टाचार के लिये दंडमुक्त को बढ़ा रहा है तथा यहाँ तक की अपराधियों हेतु परिणामों को समाप्त करके इसे प्रोत्साहित भी कर रहा है।
  - रशिवतखोरी और सत्ता के दुरुपयोग जैसे भ्रष्टाचार भी दुनिया भर में कई अदालतों तथा अनय न्यायिक संस्थानों में घुसपैठ कर रहे हैं।
  - जहाँ भ्रष्टाचार आम बात है, वहाँ कमज़ोर लोगों की न्याय तक पहुँच सीमति है, जबकि अमीर और शक्तिशाली लोग आम भलाई की कीमत पर पूरी न्याय प्रणाली पर कब्ज़ा कर लेते हैं।
- **मुख्य सफ़ारिशें:**
  - भ्रष्टाचार तब तक बढ़ता रहेगा जब तक न्याय प्रणालियाँ गलत कामों को दंडित नहीं कर सकती और सरकारों पर नयितरण नहीं रख सकती। जब भ्रष्टाचार कायम रहता है और न्याय पैसे या राजनीति से प्रभावित होता है, तो इससे आम जनता को नुकसान होता है।
  - अब समय आ गया है की बाधाओं को तोड़ा जाए और यह सुनिश्चित कया जाए की लोगों को प्रभावी ढंग से न्याय मलि सके। हर कोई नष्पिकष तथा समावेशी कानूनी प्रणाली का हकदार है जहाँ पीड़ितों की आवाज़ हर स्तर पर सुनी जाती है।

## CPI 2023 में भारतीय पड़ोसियों की स्थितिक्या है?

- **पाकस्तान और श्रीलंका:**
  - 180 देशों में पाकस्तान 133वें और श्रीलंका 115वें स्थान पर है।
  - दोनों देश अपने-अपने करज़ के बोझ और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे थे।
  - हालाँकि दोनों देशों में मज़बूत न्यायिक नगिरानी है, जो सरकार को नयितरण में रखने में मदद करती है।
    - पाकस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने संवधान के अनुच्छेद 19A के तहत पहले से प्रतबंधित संस्थानों तक इस अधिकार का वस्तितार करके नागरिकों के सूचना के अधिकार को मज़बूत कया।
- **बांग्लादेश:**
  - बांग्लादेश (149वें स्थान पर) सबसे कम वकिसति देश (LDC) की स्थिति से बाहर आया है, आर्थिक वकिस से गरीबी में लगातार कमी और रहने की स्थिति में सुधार में मदद मलि रही है।
  - प्रेस के खलिाफ चल रही कार्रवाई के बीच सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना का प्रवाह बाधति हो गया है।
- **चीन:**
  - चीन (76वें स्थान पर) ने पछिले दशक में भ्रष्टाचार के लिये 3.7 मलियन से अधिक सार्वजनिक अधिकारियों को दंडित करके अपनी आक्रामक भ्रष्टाचार वरिधी कार्रवाई की है। चीन में सार्वजनिक अधिकारी अक्सर अपनी आय बढ़ाने हेतु भ्रष्टाचार का उपयोग करते हैं।
  - हालाँकि सत्ता पर संस्थागत जाँच के बजाय सज़ा पर देश की भारी नरिभरता ऐसे भ्रष्टाचार वरिधी उपायों की दीर्घकालिक प्रभावशीलता पर संदेह पैदा करती है।

## भ्रष्टाचार क्या है?

- **परचिय:**
  - **कपटपूर्ण भ्रष्टाचार:** यह तब होता है जब वयक्तिया संस्थाएँ बेईमान या धोखाधड़ी वाले उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये मलिकर साजशि रचते हैं। इसमें ससि्टम या प्रक्रियाओं की अखंडता को कमज़ोर करने हेतु अक्सर पारस्परिक लाभ के लिये पार्टियों के बीच एक सहकारी प्रयास शामिल होता है।
  - **अनविरय भ्रष्टाचार:** भ्रष्टाचार के इस रूप में वयक्तियों को बेईमान गतविधियों में शामिल होने के लिये मजबूर या बाध्य कया जा अनविरयता है।
    - जो लोग अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हैं वे वयक्ति हो सकते हैं या वे व्यवसायों या सरकारों जैसे संगठनों से संबंधित हो सकते हैं।
- **लोक सेवा में भ्रष्टाचार की व्यापकता के कारण:**
  - **संरक्षण:** सविलि सेवा पदों का उपयोग राजनीतिक समर्थन के लिये पुरस्कार के रूप में या रशिवत के बदले में कयि जाने से व्यापक भ्रष्टाचार हो सकता है।
    - जब वयक्तियों को योग्यता के बजाय वफादारी के आधार पर नयुक्त कया जाता है, तो यह सार्वजनिक संस्थानों की अखंडता को कमज़ोर करता है।
  - **वेतन असमानताएँ:** नजि क्षेत्र की तुलना में लोक सेवकों के लिये कम वेतन वतितीय दबाव उत्पन्न कर सकता है। कुछ कर्मचारी आय की असमानता को दूर करने और अपनी वतितीय ज़रूरतों को पूरा करने के साधन के रूप में रशिवत लेने का सहारा ले सकते हैं।
  - **राजनीतिक वचिरधारा का प्रभाव:** राजनीतिक वचिरधारा का प्रभाव भ्रष्टाचार-अनुकूल माहौल को बढ़ावा दे सकता है, जहाँ योग्यता के बावजूद भ्रष्टाचार समर्थकों को पुरस्कृत करना नष्पिकषता और जवाबदेही को कमज़ोर करता है।
    - यह वयक्तियों को पद प्राप्त करने या इन पदों पर बने रहने के लिये भ्रष्टाचार का सहारा लेने हेतु मजबूर कर सकता है, जिससे एक अनैतिक चक्र कायम हो सकता है।

## भ्रष्टाचार के नहितारथ क्या हैं?

## ■ लोगों और सार्वजनिक जीवन पर:

- सेवाओं में गुणवत्ता का अभाव: भ्रष्टाचार युक्त तंत्र में, सेवा की गुणवत्ता कम या बिल्कुल न के बराबर होती है।
  - गुणवत्ता की मांग करने पर किसी व्यक्तिको इसके लिये भुगतान करना पड़ जाता है। यह नगर पालिका, बजिली, राहत राशवितरण आदि कई क्षेत्रों में देखा व्याप्त है।
  - उचित न्याय का अभाव: न्यायपालिका तंत्र में भ्रष्टाचार के कारण अनुचित न्याय मलिता है और पीड़ितों को परेशानी हो सकती है।
    - साक्ष्यों की कमी या यहाँ तक कसाक्ष्य मटा दिय जाने के कारण भीकिसी अपराध को संदेहात्मक लाभ के रूप में प्रामाणित कयि जा सकता है।
    - पुलसि व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण जाँच प्रक्रिया दशकों से चल रही है।
  - अवसर की हानि और समय पर सेवा से इनकार: भ्रष्टाचार न केवल वित्तीय और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ उत्पन्न करता है, बल्कव्यक्तियों के लिये अवसरों की हानिका कारण भी है।
    - समय पर सेवाओं, नौकरी के अवसरों और संसाधनों तक उचित पहुँच से इनकार असमानता को कायम रखता है तथा सामाजिक प्रगति में बाधा डालता है।

## ■ समाज पर:

- सरकार में अवशिवास: मतदाता वशिवास के आधार पर प्रतनिधियों को चुनते हैं, लेकिन यदनेता भ्रष्टाचार में लपित हो जाते हैं, तेलोगों में वशिवास समाप्त हो जाता है और अगली बार मतदान करने से परहेज़ (मतदाता उदासीनता) कर सकते हैं।
- मुखबरी गतविधियों को हतोत्साहति करना: भ्रष्टाचार ग्रस्त माहौल में, व्यक्तियों को प्रायः मुखबरी गतविधियों में शामिल होने से हतोत्साहति कयि जाता है।
  - प्रतशिोध का डर, सामाजिक कलंक या प्रभावी सुरक्षा तंत्र की कमी भ्रष्ट प्रथाओं को उजागर करने में बाधा उत्पन्न करती है।
- भ्रष्टाचार का नियमति (आम बात) हो जाना: जनि समाजों में भ्रष्ट आचरण सामान्य हो जाता है, वहाँ व्यक्ति धीरे-धीरे ऐसे व्यवहार को अपने दैनिक जीवन के नियमति हसिसे के रूप में स्वीकार कर लेते हैं। यह नैतिक संरचना को कमजोर करता है, जसिसे सार्थक सुधारों को प्रेरति करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

## ■ अर्थव्यवस्था पर:

- व्यवसाय करने में आसानी का अभाव: भ्रष्टाचार में प्रायः रशिवत और दलाली शामिल होती है, जसिसे व्यवसाय करने की लागत बढ़ जाती है।
- वदिशी नविश में कमी: सरकारी नकियाँ में भ्रष्टाचार के कारण वकिसशील देशों में कई वदिशी नविश वापस हो चुके हैं।
- वकिस का अभाव: कसि वशिष क्षेत्र में शुरू करने के इच्छुक कई नए उद्योग उस क्षेत्र के लिये अनुपयुक्त होने पर अपनी योजनाएँ बदल देते हैं।
  - यदसिद्धकें, जल और ऊर्जा की समुचित व्यवस्था नहीं है, तो कंपनियों वहाँ अपना व्यवसाय शुरू नहीं करना चाहती हैं, जसिसे उस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में बाधा आती है।
- लालफीताशाही: लालफीताशाही का तात्पर्य चरम नौकरशाही प्रक्रियाओं, जटिल नियमों और प्रशासनिक वलिंब से है, जो भ्रष्ट आचरण का माहौल बनाता है।
- प्रतसिपर्धा का अभाव: भ्रष्टाचार अक्सर कुछ व्यवसायों या व्यक्तियों के पक्ष में बाजारों में हेरफेर की ओर ले जाता है। इसके परिणामस्वरूप एकाधिकार या अल्पाधिकार हो सकता है, प्रतसिपर्धा सीमति हो सकती है और नवाचार बाधति हो सकता है।
- काले धन और काला बाजारी की व्यापकता: काला धन, जो कसरकार को घोषति नहीं की गई आय है, के परिणामस्वरूप कर राजस्व कम हो जाता है।
  - यह आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं और बुनयिदी ढाँचा परियोजनाओं को वतितपोषति करने की सरकार की क्षमता को सीमति करता है।
  - एक काला बाजारी का असततिव औपचारिक अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकता है, क्योंकि कानूनी व्यवसायों को प्रतबिबि रूप में काम करने वालों से अनुचित प्रतसिपर्धा का सामना करना पड़ता है।

## भ्रष्टाचार से नपिटने के लिये भारतीय पहल क्या हैं?

- भारतीय दंड संहति, 1860
- भ्रष्टाचार नविरण अधनियम, 1988
- धन शोधन नविरण अधनियम (Prevention of Money Laundering Act), 2002
- वदिशी अंशदान (वनिियमन) अधनियम, 2010
- कंपनी अधनियम (The Companies Act), 2013
- लोकपाल और लोकायुक्त अधनियम, 2013
- केंद्रीय सतरकता आयोग
- केंद्रीकृत लोक शकियत नविरण और नगिरानी प्रणाली (CPGRAMS)

## नषिकर्ष

- सविलि सर्वसि बोर्ड की स्थापना करके सरकार अत्यधिक राजनीतिक नियंत्रण पर अंकुश लगा सकती है। अनुशासनात्मक प्रक्रिया को सरल बनाकर और वभाग के भीतर नविरक सतरकता को मज़बूत करके यह सुनिश्चित कयि जा सकता है कभ्रष्ट सविलि सेवक संवेदनशील पदों पर न बैठें।
- सरकार iGOT-कर्मयोगी जैसे क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर काम कर सकती है, जो एक सतत् ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच है, जो सहायक सचवि से

सचवि स्तर तक के सभी सरकारी कर्मचारियों को उनके डोमेन कर्षेत्रों के आधार पर नरिंतर प्रशक्तिषण से गुजरने की अनुमति देगा ।

- सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी सुनश्चिति करने के लयि सभी सविलि सेवकों को **मूल्य-आधारति प्रशक्तिषण** पर बल देना महत्त्वपूर्ण है । व्यावसायिक नैतिकता सभी प्रशक्तिषण पाठ्यक्रमों में एक अभन्नि अंग होनी चाहयि और **द्वतीय प्रशासनकि सुधार आयोग (ARC)** की सफिराशियों के आधार पर सविलि सेवकों के लयि एक व्यापक आचार संहति का सृजन कयि गया ।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न. 'बेनामी संपत्ति लेन-देन नषिध अधनियम, 1988 (PBPT अधनियम)' के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2017)

1. कसिी संपत्ति लेन-देन को बेनामी लेन-देन नहीं माना जाता है यदिसंपत्ति के मालकि लेन-देन से अवगत नहीं है ।
2. बेनामी संपत्तियिँ सरकार द्वारा अधकृत की जा सकती हैं ।
3. अधनियम में जाँच के लयि तीन प्राधकिरणों का प्रावधान है लेकनि कसिी भी अपीलीय तंत्र का प्रावधान नहीं है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. चर्चा कीजयि ककिसि प्रकार उभरती प्रौद्योगकियिँ और वैशवीकरण मनी लॉन्ड्रगि में योगदान करते हैं । राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मनी लॉन्ड्रगि की समस्या से नषिटने के लयि कयि जाने वाले उपायों को वसितार से समझाइये । (2021)

प्रश्न. "आर्थकि प्रदर्शन संस्थागत गुणवत्ता एक नरिणायक चालक है" । इस संदर्भ में लोकतंत्र को सुदृढ़ करने के लयि सविलि सेवा में सुधारों के सुझाव दीजयि । (2020)